



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्रतिवारण

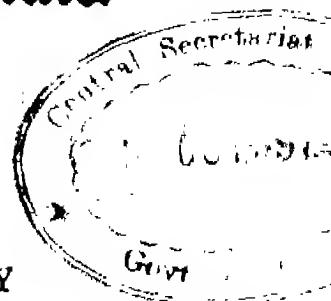
EXTRAORDINARY

भाग I—पार्ट 1

PART I—Section 1

प्राप्तिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



मा. 225] नई बिल्डिंग, सोमवार, सितम्बर 16, 1974/भा. 25, 1896

No. 225] NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 16, 1974/BHAD RA 25, 1896

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह प्रलग संकलन के क्षय में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE

EXPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 16th September, 1974

SUBJECT.—Export of human hair, dyed and bleached human hair, wigs and wiglets of human hair and other articles made partly or wholly of human hair.

No. 33-ETC(PN)/74.—In supersession of all earlier Public Notices on the above subject, it has now been decided as follows:—

- (i) Raw human hair and "single drawn" human hair will not be allowed for export from the date of this Public Notice;
- (ii) Export of (a) "double drawn" human hair, (b) waste human hair commonly known as "Tukus" (i.e. human hair of the length of 3" and below) and (c) bleached and dyed human hair will be allowed if made by or through the State Trading Corporation of India.
- (iii) Export of wigs and wiglets made of human hair and other articles made partly or wholly of human hair shall be allowed if made by or through the State Trading Corporation of India.

Exports will be allowed only against irrevocable letters of credit on outright sale basis and no exports will be allowed on consignment basis in respect of export of wigs and wiglets made out of human hair and other articles made partly or wholly of human hair as also bleached and dyed human hair. However, export of "double drawn" human hair and "Tukus" shall be allowed against D.P. and D.A. terms as well.

B. D. KUMAR,
Chief Controller of Imports & Exports.

वाणिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना।

नियाम व्यापर नियंत्रण

नई दिल्ली, 16 मिनम्बर, 1974

विषय.—मानव केण, रंजित पूर्व विरेजित मानव केण, मानव केण विग एवं विगलेट और मानव केण से अंगतः या पूर्णतः निर्मित अन्य सामग्री का नियांत।

सं 33-ई० दो० सी० (पी० ए०) / 74.—उत्तरित विषयक पूछते को सभी सार्वजनिक सूचनाओं का अधिकाराण कर अब इस प्रकार नियन्त्रण किया गया है कि :—

- (1) अपरिष्कृत मानव केणों और “एक बार परिष्कृत किए गए” मानव केणों को नियांत करने के लिए इस सार्वजनिक सूचना की नियम से अनुमति नहीं दी जाएगी ;
- (2) (क) “दो बार परिष्कृत किए गए” मानव केणों, (ख) रद्दी गानव केणों, समाच्यतः “टुकूज़” के रूप में अभिभावत मानव केणों (प्रथात् ३) और इसमें कम लम्बाई के मानव केण) और (ग) विरेजित तथा रंजित मानव केणों के नियांत की अनुमति दी जाएगी, यदि वे भारत के राज्य व्यापार नियम द्वारा या उसके माध्यम से बनाए गए हों।
- (3) मानव केणों से निर्मित विस्त तथा विगलेट्स और मानव केणों से अंगतः या पूर्णतः निर्मित अन्य सामग्री के नियांत की अनुमति दी जाएगी यदि वे भारत के राज्य व्यापार नियम या उसके माध्यम से बनाए गए हैं।

2. नियांतों की अनुमति केवल सम्पूर्ण एकदम विक्री के आधार पर अपरिवर्तनीय साम्रपदों के प्रति दी जाएगी और मानव केणों से निर्मित विस्त श्वोर विगलेट्स और मानव केणों से अंगतः या पूर्णतः बनी अन्य सामग्री जैसे विरेजित और रंजित भानव केणों के भी सम्बन्ध में परेपण के आधार पर किसी भी नियांत की अनुमति नहीं दी जाएगी। लेकिन, “दो बार परिष्कृत” गानव केणों और “टुकूज़” के नियांत की अनुमति अस्थगित भूतान और डो० ए० की शर्तों के प्रति भी दी जाएगी।

बी० डी० कुमार,
मुख्य नियंत्रक, आयात-नियांत।